EK15GU

पाठ-10

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवनः मरुस्थल

आप जानते ही हैं कि पेड़-पौधे, पशुओं एवं मनुष्यों के लिए जल का कितना महत्व है। जहाँ पीने हेतु जल उपलब्ध न हो, पशुओं को चरने के लिए घास न हो, फसलों की सिंचाई हेतु जल न हो, ऐसे स्थान पर जीव-जन्तुओं के लिए जीना कैसे सम्भव होता होगा ?

आइए जानें

ऐसा प्रदेश जहाँ वर्षा की तुलना में वाष्पीकरण अधिक होता हो, मरुस्थलीय प्रदेश कहलाता है। इन क्षेत्रों में वर्ष भर में जितनी भी वर्षा होती है, उससे कहीं अधिक जल का वाष्पन हो जाता है। यही कारण है कि यह एक शुष्क प्रदेश होता है। इन्हें रेगिस्तान के नाम से भी जानते हैं। पृथ्वी पर ऐसे स्थान गर्म भी हो सकते हैं और ठण्डे भी। तापमान के आधार पर ऐसे विस्तृत रेगिस्तानी भूभागों को उष्ण मरुस्थलीय प्रदेश एवं शीत मरुस्थलीय प्रदेश में विभाजित करते हैं।

मरुस्थलों का विस्तार अफ्रीका, एशिया, आॅस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका महाद्वीपों में है। अफ्रीका का सहारा व कालाहारी मरुस्थल, एशिया का अरब, थार व गोबी मरुस्थल, आॅस्ट्रेलिया का महान विक्टोरिया मरुस्थल, उत्तरी अमेरिका का सोनोरान व एरिजोना मरुस्थल और दक्षिणी अमेरिका का आटाकामा व पेटागोनिया मरुस्थल विश्व प्रसिद्ध हैं। इन्हें मानचित्र 10.1 पर देखिए-

उष्ण मरुस्थल (Hot Desert)

उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में महाद्वीपों के पश्चिमी भाग में उष्ण मरुस्थल पाए जाते हैं। ऐसे मरुस्थलीय प्रदेश के अधिकतर भागों में सामान्यतः वर्षा की मात्रा 25 सेमी से भी कम होती है। जब वर्षा होती है तब वर्षा के साथ तेज हवाएँ या तूफान आते हैं। इस क्षेत्र के दिन व रात के तापमान में अधिक अन्तर रहता है। दिन धूप वाले तथा गरम होते हैं, जबकि रातें

बहुत ठण्डी होती हैं। यहाँ गर्मियाँ अधिक गर्म व सर्दियाँ अधिक ठण्डी होती हैं। यहाँ के तापमान में इतना अन्तर हो जाता है कि यह कभी 58 डिग्री सेल्सियस तक तो कभी शून्य डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुँच जाता है। यहाँ की जलवायु शुष्क है और रेतीली आँधियाँ चलती हैं।

क्या आप बता सकते हैं ?

1.मरुस्थलीय प्रदेश की सूखी, रेतीली जमीन पर क्या कोई वनस्पति होती होगी ? यदि हाँ तो कैसी।

2.क्या इस क्षेत्र में कोई जीव-जन्तु रहता होगा ? यदि हाँ तो कैसे।

3.क्या ऐसे क्षेत्र में मानव जीवन सम्भव है ? यदि हाँ तो किस प्रकार।

चित्र 10.1

आइए जानकारी करें-

वनस्पति (VEGETATION)

पानी की कमी के कारण यह क्षेत्र वनस्पति विकास के अनुकूल नहीं हैं। शुष्क जलवायु व कम वर्षा के कारण मरुस्थलीय क्षेत्र में वही वनस्पति विकसित हो पाती है, जो सूखे की स्थिति का सामना कर सके।

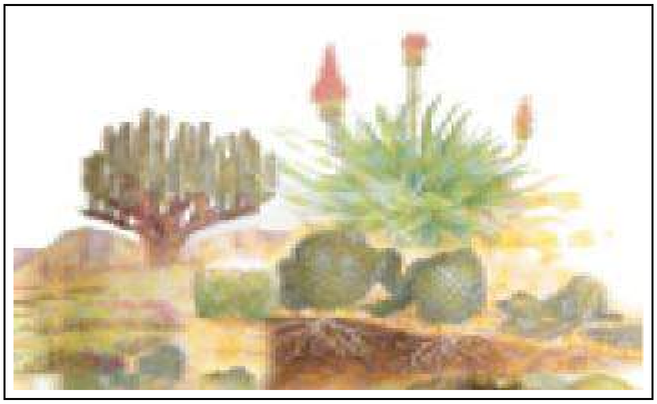

चित्र 10.2 मरुस्थलीय वनस्पति

यहाँ की वनस्पति की जड़ें लम्बी होती हैं, जिससे वे भूमि की गहराई में जाकर नमी प्राप्त करती हैं।

जल के वाष्पन को कम करने के लिए इनमें या तो पत्तियाँ होती ही नहीं और यदि होती हैं तो छोटी-छोटी, चिकनी एवं मोटी। इन पर **छोटे-छोटे काँटे** होते हैं तथा इनके तनों पर **छाल मोटी** होती है।

जहाँ कहीं जल के स्रोत या नदी होती है, वहाँ आस-पास पेड़-पौधे, झाड़ियाँ व घासें उग आती हैं। ये वीरान जमीन पर बगीचे से दिखाई देते हैं। इस कारण इन्हें **'मरुद्यान' (Oasis)** कहते हैं। मरुद्यानों में प्याज, शकरकन्द, तम्बाकू, फलियाँ व मोटे अनाज की खेती की जाती है।

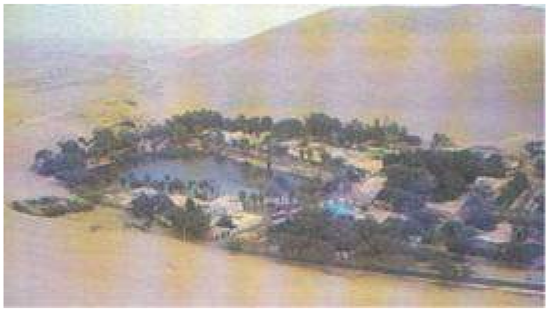

मरुद्यान

यहाँ की मुख्य वनस्पतियाँ- **खजूर, बबूल, सेहुड़, नागफनी, ताड़,** आदि हैं।

क्या उपर्युक्त विशेषताएँ आपके आस-पास के किसी पेड़-पौधे में मिलती हैं ? पता कीजिए और उसका नाम व उससे होने वाले लाभों को अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर लिखिए।

जीव-जन्तु (Animals)

आप जानते हैं कि मरुस्थलीय क्षेत्र में पानी का अभाव है और वनस्पति भी कम मात्रा में है। इस कारण यहाँ जीव-जन्तुओं की संख्या बहुत कम है। यहाँ वे जीव ही रह पाते हैं, जिनमें पानी की कमी व अधिक गर्मी सहन करने की क्षमता होती है। इनमें ऊँट प्रमुख है,। इसे **'मरुस्थल का जहाज'** कहते हैं।

ऊँट की पीठ पर बड़ा सा कूबड़ होता है जिसमें वसा (चर्बी) इकट्ठा रहती है। यह वसा, पानी की कमी को पूरा करती रहती है और ऊँट बहुत दिनों तक बिना पानी पिए जीवित रह लेता है। मंगोलिया में दो कूबड़ वाले ऊँट भी पाए जाते हैं। ये मरुस्थलीय क्षेत्र में सवारी व सामान ढ़ोने के काम आते हैं।

यहाँ **भेड़ व बकरियाँ** भी पाई जाती हैं।

कुछ अन्य जीव-जन्तु भी यहाँ पाए जाते हैं जो प्रायः गर्मी से बचने के लिए जमीन के अन्दर माँद या बिल बनाकर रहते हैं। जैसे- **नेवला, साँप, बिच्छू, गोह, रेतमूस, हिरन, गीदड़, चिंकारा, लोमड़ी** आदि।

आप सोचिए और अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर लिखिए-

1. ऊँट के पैर गद्दीदार क्यों होते हैं?
2. ऊँट को 'मरुस्थल का जहाज' क्यों कहा जाता है ?

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि जहाँ अब विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल 'सहारा' है, वहाँ कभी एक पूरी तरह हरा-भरा मैदान था। यह एक सघन बसा क्षेत्र था। सहारा की गुफाओं से प्राप्त चित्रों से ज्ञात होता है कि यहाँ नदियाँ तथा घड़ियाल पाए जाते थे। हाथी, शेर, जिराफ, शुतुरमुर्ग, भेड़, बकरियाँ आदि सामान्य जानवर थे।

आप पता करें कि ये सब यहाँ से क्यों समाप्त हो गए ?

मानव-जीवन (HUMAN LIFE)

मरुस्थलीय क्षेत्र की जलवायु बहुत विषम है। पानी की कमी है और तापमान में अन्तर। ताप कभी बहुत अधिक तो कभी बहुत कम। रेतीली आँधियों के कारण बस्तियाँ नष्ट होने

का डर भी बना रहता है। इन सब कारणों से यहाँ जनसंख्या बहुत कम है और दूर-दूर बसी है।आप के मन में विचार आ रहा होगा कि ऐसी परिस्थितियों में यहाँ के लोग कैसे रहते होंगे ? आपका सोचना ठीक है, किन्तु इन विपरीत परिस्थितियों में भी कुछ आदिवासी जातियाँ यहाँ निवास करती हैं। इनमें **अरब की 'बद्दू'** और कालाहारी की 'बुशमैन' जातियाँ प्रमुख हैं। **कालाहारी के बुशमैन** पूरी तरह शिकार पर निर्भर होकर जीवन गुजारते हैं, जबकि अरब के बद्दू जानवरों को पालकर जीवन गुजारने वाले चरवाहे हैं। ये लोग जानवरों के चारे व पानी की खोज में इधर-उधर घूमा करते हैं। यहाँ के लोग लम्बी यात्रा में ऊँट या बकरी की खाल से बने थैले में पानी भर कर ले जाते हैं, इससे पानी देर तक ठण्डा बना रहता है

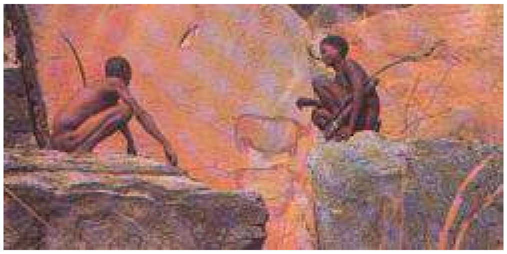

यहाँ के निवासियों के जीवन में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। जहाँ पर नदियों की घाटियाँ या खनिज तेल जैसे उपयोगी साधन हैं, वहाँ पर सरकारों द्वारा रेलमार्गों व सड़कों का विकास किया जा रहा है। खनन-व्यवसाय तथा उद्योग-धन्धे भी विकसित हो रहे हैं। जहाँ नदियों द्वारा सिंचाई के साधन उपलब्ध हो सकते हैं, वहाँ कृषि को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

और भी जानिए-

मरुस्थल में पाए जाने वाले बालू के टीलों को सैण्ड-ड्यून.. कहते हैं। ये टीले हवा के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित होते रहते हैं।

मरुस्थलीय क्षेत्रों में घरों की दीवारें मोटी बनाई जाती हैं, जिससे गर्मी का प्रभाव कम हो सके।

अभ्यास

1.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

(क)मरुस्थलीय प्रदेश की जलवायु कैसी है ?

(ख)मरुस्थलीय प्रदेश की वनस्पति की क्या विशेषताएँ हैं ?

(ग)मरुस्थलीय प्रदेश के प्राकृतिक वातावरण का मानव जीवन पर क्या प्रभाव है ?

(घ)मरुस्थलीय प्रदेश में मानव जीवन को सामान्य बनाने हेतु क्या उपाय किए जा सकते हैं ?

2.सही जोड़े मिलाइए-

सहारा	एशिया
विक्टोरिया	दक्षिणी अमेरिका
एरिजोना	अफ्रीका
थार	ऑस्टेªलिया
आटाकामा	उत्तरी अमेरिका

भौगोलिक कुशलताएँ-

मरुस्थलीय प्रदेश को विश्व खाका मानचित्र पर रंगिए।

ऊँट का चित्र बनाइए और उसकी उपयोगिता लिखिए।

परियोजना कार्य(Project work

अपने देश के मरुस्थल के बारे में जानकारी कीजिए।